

24/07
25

पत्रावली पेश हुई। वकील आयपक्ष उपर
बदल सुनी गयी। पत्रावली वाले मोफरा
दि. 24/07/25 को पेश हो


Rajendra

31/07/25

पत्रावली पेश हुई। वकील आयपक्षकारण उपरिपक्ष
बदल कर पत्रावली Act सुनी गई। बदल के
परिपेक्ष्य से पत्रावली पर उपरोक्त रिपोर्ट का
अवलीकन किया गया।

क्र. 0 प्राथमिक का कथन है कि ग्राम
गाडिया तहसील सुनेल की आरणी ख. नं. 610
ख. नं. 5. 2103 has भूमि से प्राथमिक का
हिले प/पु. की सद्व्यवस्था व व्यवधारी है
जो प्राथमिक के पति/पिता श्री राधेश्याम की मृत्यु
होने पर प्राथमिक का आधी पांति पर ही
गई थी लेकिन वास्तव भूमि के प्राथमिक
का कोई संबंध नहीं होने पर भी व्यवस्था
कानून पर आभार है जो पांती की राशी



का भी मुद्दाना मही कर रहे हैं जिससे प्राचीनता की आरक्षण कानून लागू हो रहे हैं

आरक्षण प्राचीनता द्वारा कानून का विरोध करते हुए कथन किया कि प्राचीनता ने न तो प्राचीनता की श्रुति पर कानून किया है और न ही कमी पंजी पर ली है। अतः व सरासर झूठा दावा पेश किया है। जो अवाधिका योग्य है। प्राचीनता कानून ही बाधिका है।

अनुपपन्न की कानून के परिपेक्ष में पञ्जाब का अवलोकन किया गया। ग्राम गाँविका वल्लीम सुनेम की वास्तुत आरक्षण खण्ड नं 610 की पंजाबी एक्ट 2074-77 के अनुसार प्राचीनता सुनकर रूप से हिस्सा $\frac{1}{48}$ or $\frac{1}{12}$ के recorded co-tenants हैं और प्राचीनता की कोई सहायकारी दस्तावेज नहीं है। प्राचीनता ने पञ्जाब का पत्र में कानून स्वीकार किया है कि उन्होंने न तो कोई दावा किया है और न ही पंजी पर ली है। प्राचीनता ने पंजी पर खेत दिए जाने व प्राचीनता द्वारा पञ्जाब कानून करने का कोई भी साक्ष्य (evidence) पेश नहीं किया है।

अतः कानून के आधार पर प्राचीनता का कानून पंजाब 212 RT Act कांशिक रूप से स्वीकार किया जाता है। प्राचीनता को सहायता मुमकिन टाबूड किया जाता है कि वे प्राचीनता की सहायकारी श्रुति में लिख

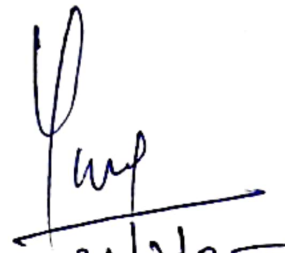


हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

नाम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तालीम
में जारी हुए

हिस्से पर बिना विधिक प्राधिकार के कब्जा
नहीं करे। पत्रावली के सलभुमाए होकर
मूलकास के साथ संपाने हो।





31/3/25

उपखण्ड अधिकारी

पिठावा, जिला आनंद (सज-1)